Content

:: अनुक्रमणिका ::

§1§ प्रथम अध्याय : विषय-प्रवेश । 22-72

प्रास्ताविक — पुराने कथा-साहित्य से आधुनिक कहानी का अंतर -- हिन्दी कहानी : परिभाषा और स्वरूप --- उपन्यास और कहानी का अंतर --- हिन्दी में कहानी का विकास --- प्रारंभिक कहानीकार -- प्रेमचन्द , प्रसाद , यशपाल , अज्ञेय , जैनेन्द्र आदि कहानीकारों का योगदान --- नयी कहानी — साठोत्तरी कहानी -- समकालीन कहानी -- कहानी और यथार्थ --- दलित-विमर्श --- दलितों पर थोपी गयीं निर्योग्यताएं — निष्कर्ष -- सं संदर्भानुक्रम ।

§2§ द्वितीय अध्याय : दलित-विमर्श के विभिन्न आयाम । 73-128

प्रास्ताविक --- दलित-विमर्श और बौद्धमत --- बौद्धमत पर पुराणों द्वारा आक्रमण -- जैनों और बौद्धों पर शैवों का प्रहार --- इस्लाम का आगमन --- बौद्ध धर्म का लोप -- दलित-विमर्श और कबीर -- स्वतंत्रता-पूर्व दलित जागरण --- उसके प्रमुख उन्नायक -- स्वातंत्र्योत्तर-काल में दलितोद्धार और दलित जागरण के प्रयत्न -- दलित-विमर्श और साहित्य का संबंध — मराठी साहित्य में दलित-विमर्श का चित्रण -- निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम ।

§3§ तृतीय अध्याय : हिन्दी साहित्य में दलित-विमर्श का चित्रण 129-188

प्रास्ताविक -- आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की काव्यधारा में दलित-चेतना के स्वर --- दलित चेतना और हिन्दी उपन्यास -- हिन्दी

की अन्य विधाओं में दलित-चेतना के स्वर -- निष्कर्ष --
संदर्भानुक्रम ।

§4§ चतुर्थ अध्याय : प्रेमचन्द तथा प्रेमचन्द-स्कूल के कहानीकारों×में
की कहानियों में दलित-विमर्श : 189 - 242
==

प्रास्ताविक -- प्रेमचन्द-स्कूल के कहानीकार -- पांडेय बेचैन शर्मा "उग्र" -- सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला -- आचार्य चतुरसेन शास्त्री -- महापंडित राहुल सांकृत्यायन -- उपेन्द्रनाथ अश्क -- ऋषभचरण जैन -- प्रेमचन्द की लगभग 22 कहानियों का दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में अध्ययन -- निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम ।

§5§ पंचम अध्याय : शैलेश मटियानी की कहानियों में दलित-चिंतन । 243 - 279
==

प्रास्ताविक -- मटियानीजी की लगभग 22-23 कहानियों का दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में अनुशीलन -- निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम । §उक्त दोनों अध्यायों की कहानियों का उल्लेख पूर्ववर्ती पृष्ठों में हो चुका है, अतः उसका पुनरावर्तन यहाँ नहीं किया गया है । §

§6§ षष्ठ अध्याय : स्वातंत्र्योत्तर दलित तथा दलितेतर कहानीकारों की कहानियों ×में×दलित×विमर्श××के××दलित×विमर्श×के×परिप्रेक्ष्य×में× ×अनुशीलन××××निष्कर्ष××××संदर्भा× में दलित-विमर्श : 280 - 323
==

प्रास्ताविक -- लगभग 32-33 दलित तथा दलितेतर लेखकों की कहानियों का दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में अनुशीलन -- निष्कर्ष -- संदर्भानुक्रम । § कहानियों का उल्लेख पूर्ववर्ती पृष्ठों में प्राक्कथन के अंतर्गत पृ.संख्या- 13 पर किया गया है । §

§7§ सप्तम अध्याय : उपसंहार : 324- 341

उपादेयता तथा उपलब्धियाँ — प्रबंध का सार-संक्षेप — भविष्यत् संभावनाएं ।

संदर्भिका § बिब्लिओग्राफी § : 342- 348

§1§ परिशिष्ट — क : उपजीव्य-ग्रन्थों की सूची ।

§2§ परिशिष्ट — ख : सहायक-ग्रन्थ सूची § हिन्दी §

§3§ परिशिष्ट — ग : सहायक-ग्रन्थ सूची § अंग्रेजी § तथा विभिन्न कोश-ग्रन्थ तथा शोध-प्रबंध ।

§4§ परिशिष्ट - घ : पत्र-पत्रिकाएं

========= xxxxxxxxx ==========